दृष्टि The Vision

drishti

ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	DTVF/19(JS)–ESY-**E3**	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: Alok Prasad **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** 7100

Center & Date: MKN 4 Aug **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 5907865

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड A और B में प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिये, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो: **125 × 2 = 250**

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Section A and B, in about 1000–1200 words each: **125 × 2 = 250**

खंड–A / SECTION–A

1. प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।

   Technology is that powerful tool which covers the distance between hope and scope.

2. अन्नदाता का उद्धार किसी दया में नहीं बल्कि नवाचार में है।

   Farmer's emancipation lies in innovation rather than mercy.

3. भारत के वे अनिवार्य सामाजिक परिवर्तन जिन्हें आप आगामी कुछ दशकों में होता देखना चाहेंगे।

   The necessary social changes that you wish to see in India in the next few decades.

4. पारंपरिक मूल्यों के साथ आधुनिक विश्व की समस्याओं का समाधान तलाशती भारतीय विदेश नीति।

   India's foreign policy: Exploring solutions to the problems of the modern world with traditional values.

खंड–B / SECTION–B

1. सर्वोच्च शिक्षा वह है जो सिर्फ हमें जानकारी नहीं देती अपितु प्रकृति के साथ हमारे सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करती है।

   The best education is that which not only gives us information, but also ensures our coexistence with nature.

2. राजनीति में आदर्श अपेक्षित भी है और उपेक्षित भी।

   Ideals in politics are required as well as neglected.

3. समान के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिये और असमान के साथ असमान।

   Equals should be treated equally and unequals unequally.

4. उस समाज में स्वतंत्रता अर्थहीन है, जिसमें गलती करने की आज़ादी न हो।

   Liberty is meaningless in that society where there is no freedom to commit mistakes.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

खंड–A / SECTION–A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।
Technology is that powerful tool which covers the distance between hope and scope.

2. अन्नदाता का उद्धार किसी दया में नहीं बल्कि नवाचार में है।
Farmer's emancipation lies in innovation rather than mercy.

3. भारत के वे अनिवार्य सामाजिक परिवर्तन जिन्हें आप आगामी कुछ दशकों में होता देखना चाहेंगे।
The necessary social changes that you wish to see in India in the next few decades.

4. पारंपरिक मूल्यों के साथ आधुनिक विश्व की समस्याओं का समाधान तलाशती भारतीय विदेश नीति।
India's foreign policy: Exploring solutions to the problems of the modern world with traditional values.

भारत के वे अनिवार्य सामाजिक परिवर्तन जिन्हे आप आगामी कुछ दशकों में होता देखना चाहेंगे

"~~अगर आप जो~~

"जो परिवर्तन आप दूसरों में देखना चाहते है, उसे पहले स्वयं में लाए"

गांधी जी परिवर्तन की अपेक्षा हमेशा रखते थे और इसके लिए वह समाधान भी पेश करते थे कि स्वयं से ही परिवर्तनों की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शुरुआत करें। बौद्ध धर्मानुसार ~~की~~ 'परिवर्तन ही सृष्टि' है। अर्थात परिवर्तन न केवल सत्य है बल्कि इसकी हमेशा जरुरत बनी रहेगी। विश्व के प्रत्येक समाज ने खुद को जरूरत के अनुसार लगातार बदला है। यही कारण है कि प्रत्येक सभ्यता अपने पूर्व की तुलना में बेहद आगे आ पायी है। अत: परिवर्तन की निरंतर प्रक्रिया में हर समाज के पास खुद को परिष्कृत करने का अवसर हमेशा बना रहता है।

इसी प्रक्रिया में आज भारत हेतु कई अनिवार्य ~~परिवर्त~~ सामाजिक परिवर्तनों की आवश्यकता है ताकि हम भारत को 'न्यू इंडिया' के रूप में सशक्त सुदृढ़ राष्ट्र बना सकें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सबसे पहला विचारणीय प्रश्न यह है कि आखिर किसी भी समाज को परिवर्तन की आवश्यकता ही क्यो होती है। वस्तुतः परिवर्तन की आवश्यकता इसलिए होती है क्योंकि सर्वप्रथम हम विकास की राह पर निरंतर आगे बढना चाहते है।

दूसरा यह है कि हमारे समाज में कुछ वर्ग पिछड गए है अतः उन्हे बराबरी पर लाने हेतु भी सामाजिक परिवर्तनो की आवश्यकता होती है।

तीसरे स्तर पर अपनी विद्यमान कमियों को दूर करने हेतु भी परिवर्तन की आवश्यकता है। ध्यातव्य है कि कोई भी समाज पूर्ण नहीं होता। प्रत्येक मे कुछ न कुछ कमियाँ होती है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उन कमियों को परिष्कार करते हुए ही प्रत्येक समाज आगे बढ़ता है। इन्ही तीनों संदर्भ में हम भारत में आवश्यक सामाजिक परिवर्तनों को विवेचन करेंगे।

सर्वप्रथम पिछड़े वर्गों को बराबरी पर लाने हेतु परिवर्तनों पर चर्चा में महिला समानता का मुद्दा आता है। समाज में व्याप्त पितृसत्तात्मक सोच के कारण भारतीय महिलाएँ हर स्तर पर शोषण का शिकार है। उन्हें जीवन के हर स्तर पर उपेक्षिता, असमानता तथा, शोषन की प्रक्रिया से गुजरना होता है। आज हमारे समाज में लिंगानुपात 934 है। जिसमें भी बाल लिंगानुपात तीव्र गति से घटते हुए 914 पर पहुँच गया है। महिला साक्षरता 65 में

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

पुरुष (82%) की तुलना में महिलाएँ (65%) बेहद पीछे हैं। बाल यौनशोषण से लेकर कार्यस्थल पर यौन शोषण की शिकार महिलाएँ होती रही हैं। महिलाओं की आर्थिक स्तर पर भागीदारी (LFPR) घटते हुए 22% से नीचे जा चुकी है। उनकी राजनीति में सहभागिता मात्र 13 प्रतिशत (लोकसभा) पर रुकी हुई है। यहाँ तक कि महिलाओं को मंदिर प्रवेश हेतु भी संघर्ष करना पड़ रहा है। सिविल कानूनों के स्तर पर महिलाओं के दोयम दर्जे की स्थिति सर्वविदित है ही (उदाहरण हेतु हाल का ट्रिपल तलाक कानून)

अतः इन सब समस्याओं के निराकरण की आवश्यकता वृहद स्तर पर है सर्वप्रथम हमें अपने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि... चाहिये। (Candidate must ... write on this mar...

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नैतिक मूल्यों के स्तर पर पितृसत्तात्मक सोच का खात्मा करने की जरूरत है। इसके साथ ही तकनीक का दुरुपयोग रोककर 'कन्याभ्रूण हत्या' रोकने की जरूरत है। यही कारण है कि सरकार 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', 'सेल्फी विद डॉटर' के माध्यम से पितृसत्तात्मक सोच को ही तोड़ना चाहती है।

लोकसभा में शीघ्र ही महिलाओं हेतु 33% आरक्षण का संविधान संशोधन विधेयक को पास करने की आवश्यकता है। सिविल कानूनों में व्याप्त विषमताओं को समाप्त कर 'समान सिविल संहिता' की आवश्यकता है।

दूसरे स्तर पर महत्वपूर्ण परिवर्तन की आकांक्षा दलित समाज के तरक्की की राह पर लाने की है। वस्तुतः आज भी दलित समाज भेदभाव का शिकार है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

हालाँकि दलितों की स्थिति में सुधार हेतु आरक्षण की व्यवस्था की गयी किन्तु अभी भी दलितों के उत्थान हेतु बड़े कदम उठाने की आवश्यकता है। हालाँकि इसमें भी सबसे पहली जरूरत अपनी अभिवृत्ति के स्तर पर परिवर्तन की है। ताकि ऊँच नीच की सोच को ही ~~~~ खत्म किया जा सके। तभी जाकर ~~~~ उत्कृष्टता के बिंदु को प्राप्त कर सकेंगे।

समाज में व्याप्त कमियों को दूर करने के संदर्भ में सामाजिक परिवर्तन की आकांक्षा कई स्तरों पर हो सामाजिक परिवर्तन हेतु आवश्यक है कि राजनीतिक स्तर पर परिवर्तनों पर तीव्र प्रगति हो। आज ~~~~भारतीय राजनीति में राजनीति का अपराधीकरण भ्रष्टाचार, क्लेप्टोक्रेसी, क्रोनी कैपिटलिज्म आदि विसंगतियाँ दिखाई देती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

हाल ही का उन्नाव केस में राजनीति में व्याप्त ~~यही~~ विसंगति ~~क~~ दर्शित होती है। अत: वर्तमान में राजनीति हेतु विअपराधीकरण, पारदर्शिता, सामाजिक संवेदनशील रूप, तथा प्रगतिशीलता की आवश्यकता है।

इसी प्रकार की विसंगतियाँ प्रशासनिक स्तर पर बनी हुई है। जिसमे सबसे बड़ी विसंगति भ्रष्टाचार के रूप में है। यूं तो भ्रष्टाचार को खत्म करने के प्रयास में सि सूचना अधिकार अधिनियम, सिटिजन चार्टर, लोकपाल अधिनियम इत्यादि प्रयास किए गए फिर भी इसका खात्मा तभी होगा जब लोगो की मानसिकता बदलेगी। अर्थात् प्रत्येक नागरिक के स्तर पर परिवर्तन की आवश्यकता है। ~~स्वतन्त्र है कि~~ साथ ही अगले दशक तक में प्रशासन के

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पारदर्शी और समाज संवेदी रूप की कल्पना करूंगा।

शिक्षा व्यवस्था में भी भारत में अनेक कमियाँ व्याप्त है अगले दशक तक मैं सर्वप्रथम 100% साक्षरता दर चाहूंगा जोकि सिर्फ परिमाणात्मक ना हो बल्कि गुणवत्ता के स्तर पर भी हो। विशेष उच्च शिक्षा के गुणवत्ता पूर्ण होने की अधिक आवश्यकता है। शिक्षा के रोजगार परक होने के साथ ही यह नैतिक मूल्यों से भी संबद्ध होनी चाहिए। ताकि बेरोजगारी जैसी समस्याओं के साथ ही अपराध, आतंकवाद आदि समस्याओं से मुक्त हुआ जा सके।

आर्थिक स्तर पर भी परिवर्तन की विशेष आवश्यकता है। वर्तमान में आर्थिक असमानता के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

बढ़ते स्तर, गरीबी, किसानों की दुर्दशा के चलते आर्थिक स्तर पर सुधार की जरूरत है। ताकि अगले दशक तक सर्व समावेशी समाज की कल्पना पूर्ण हो सके। लेबर कोड बिल अपनाकर तथा गरीबी कल्याण उन्मुख नीतियाँ अपनाकर, कौशल विकास के माध्यम से तथा रोजगार सृजन हेतु श्रम गहन उद्योगों को बढ़ावा देकर आर्थिक असमानता को कम किया जा सकता है।

चूँकि समाज सीधे तौर पर पर्यावरण से जुड़ता है अतः पर्यावरण की दृष्टि से भी समाज के व्यवहार में परिवर्तन की आवश्यकता है। ताकि सतत विकास को बढ़ावा दिया जा सके।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

अगले दशक तक नवीकरणीय ऊर्जा को 40% तक ले जाने तथा वनीकरण करने जैसे कदम उठाए जा सकते हैं। साथ ही आगामी जलसंकट को ध्यान में रखते हुए जल संग्रहण तकनीकों को अपनाकर एवं व्यवहार परिवर्तन करके हम सतत विकास का आधार रख सकते हैं।

निष्कर्षत: यह स्पष्ट है कि हमारे समाज में कई परिवर्तनों की आवश्यकता है। ताकि हम निरंतर 'न्यू इंडिया' की तरफ तरक्की कर सकें। हालाँकि इस परिवर्तन का मूल आधार अभी भी गांधी जी का ~~...~~ वह सूत्र है जिसमें परिवर्तन का सूत्रपात स्वयं

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं ... चाहिये। (Candidate mu... write on this m...

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

से करने की जरूरत है। तभी जाकर हम उन्नति की राह पर आगे बढ़ सकेंगे।

" इस नदी की धार से ठण्डी हवा आती तो है
नाव जर्जर ही सही लहरों से टकराती तो है
एक चिंगारी कहीं से ढूंढ लाओ दोस्तों
इस दीए में तेल से भीगी बाती तो है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड–B / SECTION–B

1. सर्वोच्च शिक्षा वह है जो सिर्फ हमें जानकारी नहीं देती अपितु प्रकृति के साथ हमारे सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करती है।

   The best education is that which not only gives us information, but also ensures our coexistence with nature.

2. राजनीति में आदर्श अपेक्षित भी है और उपेक्षित भी।

   Ideals in politics are required as well as neglected.

3. समान के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिये और असमान के साथ असमान।

   Equals should be treated equally and unequals unequally.

4. उस समाज में स्वतंत्रता अर्थहीन है, जिसमें गलती करने की आजादी न हो।

   Liberty is meaningless in that society where there is no freedom to commit mistakes.

समान के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए और असमान के साथ असमान

कल्पना कीजिए कि एक दौड़ (रेस) प्रतियोगिता में बच्चे, बूढ़ों, दिव्यांग, महिलाओं और पुरुषों आदि सभी को शामिल करके रेस लगवायी जाए। असंभव नहीं कि हम इसका परिणाम रेस के पूर्व ही जान पायेंगे। ~~सकुल~~:

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं ... चाहिये। (Candidate m... write on this ...)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

संभवतः दिव्यांग सबसे पीछे होंगे। और पुरुष तेज धावक सबसे आगे। अतः यह जरूरी है कि समान के साथ समान और असमान के साथ असमान व्यवहार हो।

आगे बढ़ने से पहले हमें यह समझना आवश्यक होगा कि समान और असमान के बीच अंतर क्या है। वस्तुतः समान से तात्पर्य एक समान सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि के लोग हैं। जिसमें पुरुष और महिला दोनों अलग-अलग समूह है। दिव्यांग भी अलग श्रेणी में विशिष्ट वर्ग है। अतः लिंगगत अवस्था, शारीरिक अवस्था के साथ-साथ सामाजिक आर्थिक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पृष्ठभूमि सभी का महत्व है।
प्रगतिशील सोच से युक्त सभी राष्ट्रों में वर्तमान में समान के साथ समान व्यवहार की कल्पना को साकार करने का प्रयास किया जाता है। किन्तु हमेशा से यह स्थिति नहीं रही थी अमेरिका में दास व्यवस्था, श्वेत अश्वेत ~~भेदभाव~~ भेदभाव, ऐसी ही दक्षिण अफ्रीका में श्वेत - अश्वेत ~~भेदभाव~~ भेदभाव के कारण यह ढांचा बिखरा था। साथ ही सभी समाजों में महिलाओं की स्थिति तो चिंतनीय थी है। ~~उन्हें~~ भारत के संदर्भ में वर्णव्यवस्था के कारण भी समाज में असमानता का अलग ढांचा बन गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अतः भारत के संदर्भ में देखें तो पुरुष - महिला तथा विभिन्न जातियाँ, दिव्यांग आदि दृष्टिकोण से समान - असमान के पैमाने फिट किए जाते हैं।

सर्वप्रथम जाति संदर्भ में बात करें तो भारतीय संविधान में दलितों और आदिवासियों हेतु राजनैतिक स्तर, शैक्षणिक स्तर, सरकारी नौकरी के स्तर पर आरक्षण की व्यवस्था की थी। आधार यही था कि समान के साथ समान और असमान के साथ असमान व्यवहार किया जाए। वस्तुतः हजारों सालों के शोषण और दमन का शिकार, हजारों सालों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं ... चाहिये।
(Candidate m... write on this ...)

से शिक्षा से वंचित समाज को ब्राह्मण वर्ग के साथ प्रतिस्पर्धा में कैसे उतार दिया जाए अतः यही कारण है कि संरक्षात्मक भेदभाव की संकल्पना यहीं से शुरू होती है।

आदिवासी जोकि आम समाज से बेहद कटे हुए थे तथा विकास की मुख्य धारा से बहुत दूर थे; के संदर्भ में भौगोलिक अलगाव और सामाजिक पिछड़ापन को ध्यान में रखते हुए ही विशेष व्यवहार की कल्पना की गई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अमेरिका में अश्वेतों के साथ लंबे समय से भेदभाव हुआ। बाद में जूनियर मार्टिन लूथर किंग के माध्यम से जब बराबरी का दर्जा मिला तो वहाँ भी संरक्षणात्मक भेदभाव की आवश्यकता देखते हुए विविधता वाली नीति अपनायी गई।

महिलाओं का शोषण सदियों तक चरम पर रहा। फलतः हमें उनके लिए संरक्षणात्मक भेदभाव की आवश्यकता बनती है यही कारण है सरकार अक्सर महिलाओं हेतु आरक्षण की व्यवस्था या अन्य उपाय अपनाती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दिव्यांग जन शारीरिक विशिष्टताओं के कारण एक विशेष व्यवहार की जरूरत महसूस करते हैं। यही कारण है कि दिव्यांग जन हेतु आरक्षण की व्यवस्था तथा अन्य विशेष उपाय किए जाते हैं।

निष्कर्षतः स्पष्ट है कि समान के साथ समान और असमान के साथ असमान व्यवहार करना चाहिए

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को हाशिये में न... चाहिये।
(Candidate ... write on this...